पंजाब केसरी
MON,29 JULY 2024
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 1

डिजिटलाइजेशन सूचना के सुगम आदान-प्रदान में सहायक : प्रो. सुदेश

जागरूकता कार्यक्रम में स्मृति चिन्ह स्वीकार करते हुए वी.सी. प्रो. सुदेश। (अरोड़ा)

गोहाना, 28 जुलाई (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय की सैंट्रल लाइब्रेरी द्वारा विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड-1 स्थित संस्कारम सभागार में एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 'ऑर्किड एंड इन्फ्लिबनेट सर्विसेज फॉर स्कॉलर कम्युनिटी' विषय पर आयोजित इस जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो. सुदेश ने किया। कार्यवाहक रजिस्ट्रार प्रो श्वेता सिंह विशिष्ट अतिथि रहीं।

प्रो. सुदेश ने कहा कि ज्ञान से बड़ी कोई दौलत नहीं है और पुस्तकें ज्ञान का अटूट भंडार हैं। डिजिटलाइजेशन को आज के समय की आवश्यकता बताते हुए वी.सी. ने कहा कि यह सूचना के सुगम आदान-प्रदान में सहायक है। शोधकर्त्ता आधुनिक तकनीक का लाभ उठाएं और अपने शोध की गुणवत्ता में बढ़ौतरी करें।

रिसोर्सपर्सन डॉ. केनन और हितेश सोलंकी रहे। उन्होंने बताया कि ऑर्किड एक स्थाई डिजीटल पहचान प्रदान करता है, जिसका स्वामित्व एवं नियंत्रण आपके पास होता है और जो आपको हर दूसरे शोधकर्त्ता से अलग करता है। इन्फ्लिबनेट अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों का उपयोग कर भारत में विश्वविद्यालय पुस्तकालयों के आधुनिकीकरण में संलग्न है।

इन्फ्लिबनेट सैंटर, गांधीनगर (गुजरात) द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम में लगभग 150 शिक्षाविदों, लाइब्रेरियन, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में डीन कला एवं भाषा संकाय प्रो. अशोक वर्मा, शिक्षा संकाय की डीन डॉ. अनु बल्हारा, चीफ वार्डन डॉ. सुमन दलाल, निदेशक जनसंपर्क डॉ. अनिल बल्हारा भी मौजूद रहे।

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Rohtak Sonipat 29-07-2024 - 29 Jul 2024 - Page 1

महिला विवि में ऑर्किड एंड इन्फ्लिबनेट सर्विसेज फॉर स्कॉलर कम्युनिटी विषय पर जागरूकता कार्यक्रम

दुनिया में ज्ञान से बड़ी कोई धन -दौलत नहीं : प्रो. सुदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ गोहाना

बीपीएस महिला विश्वविद्यालय की सेंट्रल लाइब्रेरी द्वारा विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड-1 स्थित संस्कारम सभागार में एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ऑर्किड एंड इनफ्लिबनेट सर्विसेज फॉर स्कॉलर कम्युनिटी विषय पर आयोजित इस जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने किया। कार्यवाहक कुलसचिव प्रो.श्वेता सिंह विशिष्ट अतिथि रहीं।

पुस्तकें ज्ञान का भंडार

प्रो. सुदेश ने कहा कि दुनिया में ज्ञान से बड़ी कोई दौलत नहीं है और पुस्तकें ज्ञान का अटूट भंडार हैं। डिजिटलाइजेशन को आज के समय की आवश्यकता बताते हुए कुलपति ने कहा कि यह सूचना के सुगम आदान-प्रदान में सहायक है।

गोहाना। कुलपति प्रो . सुदेश स्टाफ सदस्यों के साथ। फोटो : हरिभूमि

■ इन्फ्लिबनेट सेंटर, गांधीनगर द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम में लगभग 150 शिक्षाविदों, शोधार्थियों व विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया

शोधकर्ता आधुनिक तकनीक का लाभ उठाएं

उन्होंने कहा कि शोधकर्ता आधुनिक तकनीक का लाभ उठाएं और अपने शोध की गुणवत्ता में बढ़ोत्तरी करें। रिसोर्स पर्सन डॉ. केनन और हितेश सोलंकी रहे। इनफ्लिबनेट सेंटर, गांधीनगर (गुजरात) द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम में लगभग 150 शिक्षाविदों, लाइब्रेरियन, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में डीन कला एवं भाषा संकाय प्रो. अशोक वर्मा, शिक्षा संकाय की डीन डॉ. अनु बल्हारा, चीफ वार्डन डॉ. सुमन दलाल, निदेशक जनसंपर्क डॉ. अनिल बल्हारा मौजूद रहे।

जागरूकता कार्यक्रम के दौरान महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश एवं अन्य।

कुलपति ने 'ऑर्किड एंड इन्फ्लिबनेट सर्विसेज फॉर स्कॉलरली कम्यूनिटीज' जागरूकता कार्यक्रम का किया उद्घाटन

गोहाना, 28 जुलाई (रामनिवास धीमान) उपमंडल के गांव खानपुर कलां भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की सेंट्रल लाइब्रेरी द्वारा विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड-1 स्थित संस्कारम सभागार में एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 'ऑर्किड एंड इन्फ्लिबनेट सर्विसेज फॉर स्कॉलरली कम्यूनिटीज' विषय पर आयोजित इस जागरूकता कार्यक्रम का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश द्वारा किया गया। कार्यवाहक कुलसचिव प्रो श्वेता सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रही। कार्यक्रम का शुभारंभ सम्मानित अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि ज्ञान से बड़ी कोई दौलत नहीं है और पुस्तकें ज्ञान का अटूट भंडार हैं। कार्यक्रम में बतौर रिसोर्स पर्सन डॉ. केनन और हितेश सोलंकी ने शिरकत कर प्रतिभागियों को ऑर्किड की महत्ता से अवगत कराया। कार्यक्रम के कन्वीनर एवं सेंट्रल लाइब्रेरी के लाइब्रेरियन डॉ. अशोक कुमार ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। इन्फ्लिबनेट सेंटर, गांधीनगर (गुजरात) द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम में लगभग 150 शिक्षाविदों, लाइब्रेरियन, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर डीन कला एवं भाषा संकाय प्रो अशोक वर्मा, शिक्षा संकाय की डीन डॉ. अनु बल्हारा, चीफ वार्डन डॉ. सुमन दलाल, निदेशक जनसंपर्क ले. कर्नल (डॉ.) अनिल बल्हारा सहित विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

अजीत समाचार
उत्तर भारत का सम्पूर्ण अखबार
29-Jul-2024
Page: 11
http://www.ajitsamachar.com/20240729/27/11/1_1.cms

New Delhi to Leh
from Rs8,767
Search

Hindi News

आधुनिक तकनीक का लाभ उठाकर शोध कार्य की गुणवत्ता में बढ़ोत्तरी करें शोधार्थी: कुलपति प्रो. सुदेश

Girish Saini Jul 28, 2024 06:00

खानपुर कलां, गिरीश सैनी। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां की सैंट्रल लाइब्रेरी द्वारा 'ऑर्किड एंड इन्फ्लिबनेट सर्विसेज फॉर स्कॉलरली कम्यूनिटीज' विषय पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यवाहक कुलसचिव प्रो श्वेता सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

कुलपति प्रो. सुदेश ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में कहा कि ज्ञान से बड़ी कोई दौलत नहीं है और पुस्तकें ज्ञान का अटूट भंडार हैं। डिजिटलाइजेशन को आज के समय की आवश्यकता बताते हुए कुलपति ने कहा कि यह सूचना के सुगम आदान-प्रदान में सहायक है। उन्होंने कार्यक्रम के विषय की सराहना करते हुए कहा कि शोधकर्ता आधुनिक तकनीक का लाभ उठाएं और अपने शोध कार्य की गुणवत्ता में बढ़ोत्तरी करें।

New Delhi to Vancouver International
from Rs60,068
Search
Bengaluru to Goa
from Rs3,916
Search
Hyderabad to Jazan
from Rs39,154
Search

कार्यक्रम में बतौर रिसोर्स पर्सन डॉ. केनन और हितेश सोलंकी ने शिरकत की। उन्होंने प्रतिभागियों को ऑर्किड की महत्ता से अवगत कराया। कार्यक्रम के कन्वीनर एवं सेंट्रल लाइब्रेरी के लाइब्रेरियन डॉ अशोक कुमार ने स्वागत संबोधन किया तथा कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में लगभग 150 शिक्षाविदों, लाइब्रेरियन, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया।

Tags: Researchers | quality of research work | modern technology

PREVIOUS ARTICLE
संविधान में महिलाओं के हितों की सुरक्षा के लिए किए गए प्रावधान: सोनिया अग्रवाल

NEXT ARTICLE
Space Tourism from India to be reality but no fixed time line yet: Minister to MP...

RELATED POSTS

भाजपा सरकार 10 साल में सबसे विफल सरकार साबित हुई: दीपेन्द्र...

एमडीयू के पी.जी. कोर्सेज़ में प्रवेश के लिए पहली प्रवेश...

संविधान में महिलाओं के हितों की सुरक्षा के लिए किए गए प्रावधान:...

COMMENTS

Name
Email
Comment

Post Comment

MONDAY 29TH OF JULY 2024 10:28:44 AM

LAST UPDATED ON: 28-07-2024 11:25:35 PM

POPULAR POSTS

Weekly Posts

BJP will continue stir till K'taka CM quits: LoP Ashoka...

ED conducting an honest investigation in Tribal Welfare...

NAREDCO announces launch of Uttarakhand Chapter, Strengthening...

INS Tabar reaches Saint Petersburg for Russian Navy Day...

Lalu Prasad Yadav slams Nitish Kumar over poor law & order...

FOLLOW US

Facebook | X (Twitter) | Linkedin | Youtube | Email

RECOMMENDED POSTS

Opinion
IANS Interview: Harbhajan Singh talks Budget, cricket,...

IANS Interview: No religion is as liberal as Sanatan Dharma,...

FairPoint: Indian forces set to clean Jammu areas, nip...

IANS Interview: PM Modi wants India to become a 'developed...

IANS Interview: Phone-tapping controversy must be thoroughly...

With 'The Heist', Nad Sham shines in thrilling debut -...

CONTACT US

For Advertisement, News, Article, Advertorial, Feature etc please contact us: cityairnews@gmail.com

© 2020 Cityairnews - All Rights Reserved. Designed & Developed By: TechieFormation

Researchlyne.com
Mr. Amiteshwar Singh Proprietor of Researchlyne.com
SEBI Registered "Research Analyst" (INH100010013)
2 STOCKS WEEKLY
Automatic Diversification
The Multi-Cap Edge - Automatic Diversification in Equities.
Researchlyne.com Subscribe

Education

No wealth is greater than knowledge: VC Prof. Sudesh

The Central Library of BPSMV organized a one-day awareness program on the topic 'ORCID and INFLIBNET Services for Scholarly Communities'.

Girish Saini Jul 28, 2024 05:29 0

Sonipat, 28 July, 2024: The Central Library of BPSMV organized a one-day awareness program on the topic 'ORCID and INFLIBNET Services for Scholarly Communities'.

Vice Chancellor Prof. Sudesh inaugurated this program as the chief guest. Officiating Registrar Prof. Shweta Singh was present as the guest of honour.

VC Prof. Sudesh said that there is no wealth greater than knowledge and books are an inexhaustible storehouse of knowledge. Describing digitization as the need of the hour, the Vice Chancellor said that it helps in the smooth exchange of information. She inspired the research scholars to take advantage of modern technology and enhance the quality of their research work.

Resource persons Dr. Kenan and Hitesh Solanki informed about the importance of ORCID. Program Convener and Librarian Dr. Ashok Kumar highlighted the outline of the program. Around 150 participants from various universities and colleges attended the program.

Tags: wealth knowledge VC Prof. Sudesh

PREVIOUS ARTICLE
Punjab CM slams Union Govt for 'Deliberate' Delay in releasing ₹1000 Crore for Healthcare

NEXT ARTICLE
KMV Principal Prof. Atima Sharma Dwivedi felicitate Spardha on receiving Patent

RELATED POSTS

Govt to celebrate 4th anniversary of NEP 2020 with Akhil...

PU conducted entrance test for admission to MBA course...

Manu Bhaker created history by winning a Bronze medal

COMMENTS

Name Email

Comment

I'm not a robot

Post Comment

MONDAY 29TH OF JULY 2024 10:29:39 AM

LAST UPDATED ON: **28-07-2024 11:25:35 PM**

POPULAR POSTS

Weekly Posts

BJP will continue stir till K'taka CM quits: LoP Ashoka...

ED conducting an honest investigation in Tibral Welfare...

NAREDCO announces launch of Uttarakhand Chapter, Strengthening...

INS Tabar reaches Saint Petersburg for Russian Navy Day...

Lalu Prasad Yadav slams Nitish Kumar over poor law & order...

FOLLOW US

Facebook X (Twitter) LinkedIn Youtube Email

RECOMMENDED POSTS

IANS Interview: No religion is as liberal as Sanatan Dharma,...

FairPoint: Indian forces set to clean Jammu areas, nip...

IANS Interview: PM Modi wants India to become a 'developed...

IANS Interview: Phone-tapping controversy must be thoroughly...

With 'The Heist', Nad Sham shines in thrilling debut -...

CONTACT US

For Advertisement, News, Article, Advertorial, Feature etc please contact us: cityairnews@gmail.com

© 2020 Cityairnews - All Rights Reserved. Designed & Developed By: TechieFormation

डिजिटलाइजेशन आज के समय की जरूरत

बीपीएस महिला विवि में ऑर्किड व इनफ्लिबनेट विषय पर हुआ कार्यक्रम

संवाद न्यूज एजेंसी

गोहाना। गांव खानपुर स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में केंद्रीय पुस्तकालय की तरफ से विद्वान समुदायों के लिए ऑर्किड व इनफ्लिबनेट विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. सुदेश व विशिष्ट अतिथि के रूप में कुलसचिव प्रो. श्वेता सिंह ने शिरकत की।

कुलपति ने कहा कि डिजिटलाइजेशन आज के समय की अहम आवश्यकता है, जिससे हम सूचनाओं का सुगम आदान-प्रदान कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि शोधकर्ता आधुनिक तकनीक का लाभ उठाकर अपने शोध कार्य की गुणवत्ता में बढ़ोतरी करें। कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन डॉ. केनन व हितेश सोलंकी ने शिरकत की। उन्होंने बताया कि आर्किड एक स्थायी डिजिटल पहचान प्रदान करता है, जिसका स्वामित्व व नियंत्रण आपके पास होता है। यह आपको हर दूसरे शोधकर्ता से अलग करता है। पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। इस दौरान प्रो. अशोक वर्मा, डॉ. अनु बल्हारा, डॉ. सुमन दलाल, डॉ. अनिल बल्हारा आदि मौजूद रहे।

गोहाना के गांव खानपुर स्थित बीपीएस महिला विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कुलपति प्रो. सुदेश को स्मृति चिह्न भेंट करते आयोजक। स्रोत : विश्वविद्यालय

ज्ञान से बड़ी कोई दौलत नहीं, पुस्तकें अटूट भंडार : प्रो. सुदेश

कुलपति प्रो . सुदेश को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए आयोजक ● सौ. विश्वविद्यालय

वि., गोहाना : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि ज्ञान से बड़ी कोई दौलत नहीं है। पुस्तकें ज्ञान का अटूट भंडार हैं। उन्होंने यह बात विश्वविद्यालय सेंट्रल लाइब्रेरी द्वारा संस्कारम सभागार में आर्किड एंड इंफ्लिबनेट सर्विसेज फार स्कालरली कम्यूनिटीज विषय पर आयोजित कार्यक्रम के शुभारंभ पर बतौर मुख्य अतिथि कही।

कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि डिजिटलाइजेशन आज के समय की आवश्यकता है और यह सूचना के सुगम आदान-प्रदान में सहायक है। उन्होंने कहा कि शोधकर्ता आधुनिक तकनीक का लाभ उठाएं और अपने शोध कार्य की गुणवत्ता में बढ़ोतरी करें।

काग्रक्रम में रिसोर्स पर्सन डा. केनन और हितेश सोलंकी ने शिरकत की। उन्होंने बताया कि आर्किड एक स्थायी डिजिटल पहचान प्रदान करता है, जिसका स्वामित्व एवं नियंत्रण आपके पास होता है। यह आपको हर दूसरे शोधकर्ता से अलग करता है।

ज्ञान से बड़ी कोई नहीं दौलत, पुस्तकें ज्ञान का भंडार

गोहाना | बीपीएस महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि ज्ञान से बड़ी कोई दौलत नहीं है और पुस्तकें ज्ञान का अटूट भंडार हैं। डिजिटलाइजेशन को आज के समय की आवश्यकता है। यह सूचना के सुगम आदान-प्रदान में सहायक है। ऐसे में शोधकर्ता आधुनिक तकनीक का लाभ उठाएं और अपने शोध कार्य की गुणवत्ता में बढ़ोतरी करें। वे रविवार को महिला विवि की सेंट्रल लाइब्रेरी द्वारा विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड-1 स्थित संस्कारम सभागार में ऑर्किड एंड इन्फ्लिबनेट सर्विसेज फॉर स्कॉलरली कम्यूनिटीज विषय पर आयोजित एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रही थी। कार्यक्रम में बतौर रिसोर्स पर्सन डॉ. केनन और हितेश सोलंकी ने प्रतिभागियों को ऑर्किड की महत्ता से अवगत कराया। इस कार्यक्रम के कन्वीनर एवं लाइब्रेरियन डॉ. अशोक कुमार के अनुसार इन्फ्लिबनेट सेंटर, गांधीनगर (गुजरात) द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम में करीब 150 शिक्षाविदों, लाइब्रेरियन, शोधार्थियों एवं छात्राओं ने हिस्सा लिया।

आधुनिक तकनीक का लाभ उठाकर शोध कार्य की गुणवत्ता में बढ़ोत्तरी करें शोधार्थी : प्रो. सुदेश

खानपुर कलां। चेतना संवाददाता।

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां की सेंट्रल लाइब्रेरी द्वारा ऑर्किड एंड इन्फ्लिबनेट सर्विसेज फॉर स्कॉलरली कम्यूनिटीज विषय पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यवाहक कुलसचिव प्रो श्वेता सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रही। कुलपति प्रो. सुदेश ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में कहा कि ज्ञान से बड़ी कोई दौलत नहीं है और पुस्तकें ज्ञान का अटूट भंडार हैं। डिजिटलाइजेशन को आज के समय की आवश्यकता बताते हुए कुलपति ने कहा कि यह सूचना के सुगम आदान-प्रदान में सहायक है। उन्होंने कार्यक्रम के विषय की सराहना करते हुए कहा कि शोधकर्ता आधुनिक तकनीक का लाभ उठाएं और अपने शोध कार्य की गुणवत्ता में बढ़ोत्तरी करें। कार्यक्रम में बतौर रिसोर्स पर्सन डॉ. केनन और हितेश सोलंकी ने शिरकत की। उन्होंने प्रतिभागियों को ऑर्किड की महत्ता से अवगत कराया। कार्यक्रम के कन्वीनर एवं सेंट्रल लाइब्रेरी के लाइब्रेरियन डॉ अशोक कुमार ने स्वागत संबोधन किया तथा कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में लगभग 150 शिक्षाविदों, लाइब्रेरियन, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया।